समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

आंध्र प्रदेश के राज्यपाल अब्दुल नज़ीर ने किया कनकादुर्गा मंदिर का दर्शन, मंदिर प्रशासन ने किया भव्य स्वागत

Sanket Morankar Published on 26 Sep 2025

आंध्र प्रदेश के राज्यपाल **श्री एस. अब्दुल नज़ीर** ने बुधवार को विजयवाड़ा स्थित ऐतिहासिक और प्रसिद्ध **कनकादुर्गा मंदिर** (इंद्रकीलाद्री) में दर्शन किए। राज्यपाल की इस आध्यात्मिक यात्रा के दौरान मंदिर परिसर में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य स्वागत किया गया।

राज्यपाल के आगमन पर **धार्मिक बंदोबस्त विभाग के आयुक्त रामचंद्र मोहन**, **कृष्णा जिला कलेक्टर जी. लक्ष्मीशा**, और मंदिर के कार्यकारी अधिकारी **वी.के. सेना नायक** ने उन्हें मंदिर के पारंपरिक "मंदिर सम्मान" के साथ स्वागत किया। मंदिर प्रशासन द्वारा उन्हें रेशमी वस्त्र, प्रसाद, और देवी की तस्वीर भेंट की गई।

राज्यपाल अब्दुल नज़ीर ने मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर **देवी कनकादुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना** की। उन्होंने विशेष 'चंदन सेवा' और 'दुर्गा सप्तशती पाठ' में भाग लिया। मंदिर के पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ राज्यपाल का पूजन कराया और उन्हें देवी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

पूजा के दौरान राज्यपाल कुछ समय ध्यान मुद्रा में बैठे रहे। इस धार्मिक यात्रा के माध्यम से उन्होंने प्रदेश की **संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत के प्रति अपने सम्मान** को दर्शाया।

राज्यपाल के दौरे को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने पहले से ही **कड़ी सुरक्षा व्यवस्था**, **श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने की योजना** और **स्वच्छता अभियान** चलाया था। कार्यकारी अधिकारी वी.के. सेना नायक ने मीडिया को बताया कि राज्यपाल के आगमन को लेकर **संपूर्ण मंदिर परिसर को सजाया गया**, जिसमें मुख्य द्वार, प्रांगण और गर्भगृह तक पुष्पमालाओं से अलंकृत किया गया था।

राज्यपाल ने मंदिर के कर्मचारियों और अधिकारियों से भी बातचीत की और मंदिर की **व्यवस्था, सुविधाओं और डिजिटल दर्शन सेवाओं** की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मंदिर परिसर में चल रहे **पर्यावरण-अनुकूल उपायों** की सराहना की, जैसे कि प्लास्टिक मुक्त ज़ोन और सौर ऊर्जा उपयोग।

राज्यपाल अब्दुल नज़ीर की यह यात्रा सांस्कृतिक विविधता और धार्मिक सौहार्द का एक **प्रेरणादायक उदाहरण** बनकर सामने आई है। एक मुस्लिम समुदाय से संबंध रखने वाले राज्यपाल का हिंदू देवी मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा करना, भारतीय **धर्मनिरपेक्ष परंपरा और सर्वधर्म समभाव** का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने राज्यपाल के इस gesture का खुले दिल से स्वागत किया। कई श्रद्धालु उनके साथ तस्वीरें लेना चाहते थे, तो कई ने उन्हें देवी का प्रसाद भेंट किया।

पूजन के पश्चात संक्षिप्त बातचीत में राज्यपाल ने कहा:

> "कनकादुर्गा मंदिर न केवल आंध्र प्रदेश बल्कि पूरे देश की आध्यात्मिक पहचान का प्रतीक है। यहां आकर मुझे अत्यंत आत्मिक शांति और संतोष की अनुभूति हुई। यह मंदिर सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का केंद्र है।"

उन्होंने मंदिर प्रशासन की व्यवस्थाओं की प्रशंसा की और कहा कि सरकार को ऐसे धार्मिक स्थलों पर सुविधाएं बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, जिससे **श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सहज अनुभव मिल सके**।

राज्यपाल के इस दौरे को सफल बनाने में स्थानीय प्रशासन ने भी **पूर्ण सहयोग** दिया। कलेक्टर लक्ष्मीशा ने बताया कि राज्यपाल के दौरे के लिए जिला प्रशासन ने यातायात प्रबंधन, सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं को मुस्तैद रखा था। मंदिर के आसपास के क्षेत्रों में **ट्रैफिक डायवर्जन**, **CCTV निगरानी**, और **स्वच्छता अभियान** चलाए गए।

राज्यपाल के दौरे के दौरान मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ रही, लेकिन सब कुछ सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। गर्भगृह के बाहर कतारबद्ध भक्तों ने राज्यपाल को देखकर अभिवादन किया। पुजारियों ने वैदिक मंत्रों के साथ राज्यपाल को देवी का रेशमी वसन, तिलक और प्रसाद प्रदान किया।

राज्यपाल एस. अब्दुल नज़ीर का कनकादुर्गा मंदिर दौरा **धार्मिक सद्भाव, संस्कृति के सम्मान और आध्यात्मिक एकता** का प्रतीक बन गया है। इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल धार्मिक स्थलों की प्रतिष्ठा बढ़ाते हैं, बल्कि समाज में आपसी सौहार्द और आस्था को भी मज़बूत करते हैं।

राज्यपाल के इस आध्यात्मिक कदम से यह संदेश स्पष्ट है कि **भारतीय लोकतंत्र केवल प्रशासनिक या राजनीतिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और सांस्कृतिक सहभागिता पर भी आधारित है।**

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.